

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self-Management in Gītā

Name of the Course : CBCS, B.A. (Hon.) CORE

Semester : II

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. आत्मप्रबन्धन से आप क्या समझते हैं? गीता के आधार पर आत्मप्रबन्धनपर लेख लिखिए।

What do you mean by "Self-Management"? write an essay on self-Sanagement on the basis of Gita.

2. गीता के अनुसार मन और इन्द्रियों के नियंत्रण हेतु आत्मप्रबंधन की प्रक्रिया की विवेचना कीजिए।
Discuss the role of Mind and Senses in the process of Self-Management according to the Gita.

3. मन का स्वरूप समझाते हुए मानसिक द्वन्द्वों के मूल कारण का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।
Explaining the nature of mind, give an account of root cause of mental conflicts.
4. “समत्वं योग उच्यते “ की विस्तृत विवेचना कीजिए ।
Discuss in detail “Samatvam yoga uchyate”.
5. आदर्श आचरण एवं योगाभ्यास पर टिप्पणी लिखिए ।
Write notes on आदर्श आचरण and योगाभ्यास.
6. त्रिविध तप एवं मनोनिग्रह पर निबन्ध लिखिए ।
Write essay on त्रिविध तप and मनोनिग्रह.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : CBCS, B.A. (Hon.) CORE

Semester : IV

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' में वर्णित सांस्कृतिक व राष्ट्रीय चेतना की विवेचना कीजिए।
Discuss the Cultural and National Consciousness described in Swatantryasambhavam.
2. 'भीमायनम्' महाकाव्य में वर्णित सामाजिक सन्देश की विवेचना कीजिए।
Discuss the Social message as depicted in 'Bhimayanam' epic.
3. 'शतपर्विका इव मे तनुजाः' कथन के आलोक में शतपर्विका कथा का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the story of Satparvika in the Light of the Statement 'शतपर्विका इव मे तनुजाः'।
4. 'शार्दूलशकटम्' में निरूपित श्रमिकों की दशा का वर्णन कीजिए।
Describe the condition of workers as depicted in shardulshakatam.

5. पं. बच्चूलाल अवस्थी ज्ञान अथवा प्रो. हर्षदेव माधव के काव्य में वर्णित सन्देश पर प्रकाश डालिए ।
Throw light in the message as depicted in the poetic works of Pandit Bacchulalavasthigyan or Prof. Harsh devmadhav.
6. प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी एवं प्रो. रामकरण शर्मा का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
Give the brief introduction of Prof. Rewa Prasad Dwivedi and Prof. Ramkarana Sharma.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : CBCS, B.A. (Hon.) Sanskrit (Core)

Semester : IV

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
 3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
 4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.
1. दाराशिकोह उपनिषदों से क्यों प्रभावित हुआ ? सूफीवाद एवं उपनिषद् दर्शन की समानताओं के आलोक में निरूपण कीजिये।
- Why was Dārā Shikoh influenced by the Upaniṣads? Discuss in the light of similarities between Sufism and doctrines of the Upaniṣads.

2. पंचतन्त्र के अरबी व फ़ारसी पुनर्लेखनों के माध्यम से उसकी यूरोप यात्रा का वर्णन कीजिये।
Trace the journey of the Pañchatantra to Europe through its Arabic and Persian versions.
3. रामायण ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के जीवन तथा संस्कृति को कैसे प्रभावित किया है?
Discuss how the Rāmāyaṇa has influenced life and culture in South East Asian countries.
4. चार्ल्स विल्किंस के अनुवाद से लेकर गीता के प्रमुख यूरोपीय अनुवादों का परिचय दीजिए।
Beginning with Charles Wilkins' translation of the Gītā, discuss important European translations of the text.
5. भारत, यूनान व रोम की सांझा देवशास्त्रीय विरासत पर एक निबन्ध लिखिये।
Write an essay on the common mythological heritage of India, Greece and Rome.
6. 18वीं शती से 20वीं शती में यूरोप ने कालिदास का स्वागत कैसे किया ।
How was Kālidāsa received in Europe from the 18th to the 20th century.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. :
Unique Paper Code : 12135906
Name of the Paper : Fundamentals of Indian Philosophy
Name of the Course : B.A. (Hon.) Sanskrit Generic Elective (GE)
Semester : IV
Duration : 2 Hours Maximum Marks : 75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are total 6 questions in this question paper. Attempt any 4 questions. Each question contains equal marks.
3. The 4 questions to be completed in 2 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
Describe the main principles of Indian Philosophy.
2. चार्वाक दर्शन की आचार सम्बन्धी नीतियों का वर्णन कीजिए।
Describe the Ethics of Chārvaka philosophy.

3. सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय दीजिए एवं गुणत्रय को स्पष्ट कीजिए।
Give the general Introduction of *Sāmkhya* philosophy and explain the *Guṇatraya*.
4. मीमांसा-दर्शन के स्वतःप्रामाण्यवाद को स्पष्ट कीजिए।
Explain the *Svatahprāmāṇyavāda* of Mīmāṃsā- philosophy.
5. अद्वैत वेदान्त के अनुसार जीव एवं जगत् के स्वरूप का निरूपण कीजिए।
Describe the nature of *Jīva* and *Jagata* according to *Advaita-Vedānta*.
6. वेदान्त के भक्ति-सम्प्रदायों के अनुसार भक्ति के स्वरूप का विवेचन कीजिए।
Discuss the *Bhakti* according to *Bhakti* Schools of *Vedānta*.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 12137908
Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda
Name of the Course : CBCS, BA (H), DSE
Semester : VI
Duration : 2 Hours
Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं । इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सबके अङ्क समान हैं ।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 2 घण्टे में पूर्ण करना है । सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है ।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक ,नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है ।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is “Open-Book” examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन कीजिए ।
Describe the *āyurvedāvatarāṇa* in detail.
2. आयुर्वेद के अनुसार षड्-ऋतुचर्या का विस्तृत वर्णन कीजिए ।
Describe the *ṣaḍ-ṛtucaryā* according to the āyurveda in detail.
3. तैत्तिरीयोपनिषद्-भृगुवल्ली में वर्णित पञ्चकोश का वर्णन कीजिए ।
Describe the *pañcakośa* as depicted in the Bṛḡuvallī of Taittirīyopaniṣad in detail.

4. माधवनिदान एवं शार्ङ्गधरसंहिता पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए ।
Write detailed notes on Mādhavanidāna and śārṅgadharasamhitā.
5. उत्तरायण एवं सातम्य पर विस्तृत निबन्ध लिखिए ।
Write detailed essay on *uttarāyana* and Homologation.
6. आयुर्वेद की पुनर्वसु -परम्परा का विस्तृत वर्णन कीजिए ।
Describe the *punarvasu* tradition of āyurveda in detail.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 213251

Name of the Paper : Three Year Semester System, B.A. (Prog.)

Name of the Course : Sanskrit Discipline, Poetry, Prose & History of Sanskrit Literature

Semester : II

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are total 6 questions in this question paper. Attempt any 4 questions. Each question contains equal marks.
3. The 4 questions to be completed in 2 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. रघुवंशीय राजाओं के गुणों का वर्णन कीजिए।
Describe the qualities of kings of Raghu dynasty.
2. उपमाकालिदासस्य पर टिप्पणी लिखिए।

Write notes on उपमाकालिदासस्य

3. भर्तृहरि की काव्यशैली पर प्रकाश डालिए ।
Throw light on Poetic style of Bhartihari
4. आधुनिकयुग में नीतिशतक का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।
Describe the importance of Nititshataka in modern ages.
5. 'बाणोच्छिष्टम् जगत्सर्वम्' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
Critically examine of the statement "बाणोच्छिष्टम् जगत्सर्वम्".
6. संस्कृत साहित्य में वर्णित जन्तुकथाओं पर लेख लिखिए ।
Write a note on Fables tale in Sanskrit Literature.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 62131201
Name of the Paper : Sanskrit Prose
Name of the Course : CBCS, BA (P) CORE
Semester : II
Duration : 2 Hours
Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'- इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।
Critically examine the statement- 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'.

2. शुकनासोपदेश के आधार पर गुरुपदेश के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Enlighten the importance of Gurupadesha on the basis of Shukanasopadesha.

3. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली की विवेचना कीजिए ।
Describe Ambikadatta Vyasa's Prose style in detail.
4. ' शिवराजविजय एक ऐतिहासिक उपन्यास है', इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
Critically analyze the 'Shivarajvijaya as a historical novel'.
5. संस्कृत साहित्य के किन्हीं तीन गद्यकाव्यों एवं उनके रचयिताओं पर प्रकाश डालिये।
Explain any three Proses and also describe their writers of Sanskrit literature.
6. हितोपदेश एवं पुरुषपरीक्षा पर निबन्ध कीजिए ।
Write an essay on हितोपदेश and पुरुषपरीक्षा.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 62131216

Name of the Paper : Sanskrit-B: Upanishad and Gita

Name of the Course : CBCS, BA (P) CORE

Semester : II

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न पत्र का उत्तर-संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तकनोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
 3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
 4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.
1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार विद्या और अविद्या को समझाइए।
Explain Vidyā and Avidyā according to Īśāvāsyopaniṣad.
 2. ईशावास्योपनिषद् की शिक्षाओं पर लेख लिखिए।
Write an essay on the teachings of Īśāvāsyopaniṣad.

3. गीता के द्वितीय अध्याय में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा पर प्रकाश डालिए ।
Throw light on the moral education implied in the second chapter of Gītā.
4. गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर अर्जुन की स्थिति को अपने शब्दों में समझाएँ।
Describe the situation of Arjuna in your own words on the basis of the second chapter of Gītā.
5. आत्मा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
Describe the nature of Atmā.
6. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार कर्म और सृष्टि- प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ।
Explain Karma and Sṛṣṭi-Prakriyā according to Īśāvāsyopaniṣad.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Roll No.:

Unique Paper Code : 62131217

Name of the Paper : Sanskrit-C: Niti Literature

Name of the Course : CBCS_BA (P) CORE

Semester : II

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न पत्र का उत्तर-संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तकनोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. वानर और मगरमच्छ की मैत्री का विश्लेषण अपने शब्दों में कीजिए।

Discuss the friendship of the monkey and crocodile in your own words.

2. क्षणकथा का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Write the summary of क्षणकथा in your own words.

3. नीतिशतक के आधार पर 'मूर्खपद्धति' को स्पष्ट कीजिए ।
Describe the 'मूर्खपद्धति' according to the Nitiśatakam.
4. भर्तृहरि के नीतिशतक के अनुसार 'सज्जन प्रशंसा' पर टिप्पणी लिखिए ।
Write a note on "praise of noble men" according to the Nitiśatakam of Bhartrihari.
5. कालिदास एवं बाणभट्ट का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
Give the brief introduction of the Kalidas and Banbhata.
6. उत्तररामचरितम् एवं किरातार्जुनीयम् पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए ।
Write short essay on उत्तररामचरितम् and किरातार्जुनीयम्.

This question paper contains one page.

Your Roll No.

Serial No. of Question Paper:

Unique Paper Code: 62021201_OC

Name of the paper: Mahayana Buddhism: Its Continuity and Change

Name of the Course: B.A. (CBCS Prog.) Buddhist Studies

Semester : II [Students admitted before the year 2019]

Time: 2 Hrs.

Full Marks: 75

समय: 2 घंटे

पूर्णांक : 75

Instructions for candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश):

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Answers may be written either in *English* or in *Hindi*; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: इस प्रश्न का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **four** questions. All questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss the role of contemporary society in the origin and development of *Mahāyāna* Buddhism.

महायान बौद्ध धर्म के उद्भव एवं विकास में तत्कालीन समाज की भूमिका का वर्णन कीजिए।

2. What do you understand by Mahāyāna Buddhism? On what accounts it considered different from Hinayana Buddhism? Discuss.

महायान बौद्ध धर्म से आप क्या समझते हैं? यह हीनयान बौद्ध धर्म से किस आधार पर भिन्न? विवेचन कीजिए।

3. Discuss the outcomes of the Second Buddhist Council.

द्वितीय बौद्ध संगीति के परिणामों का विवेचन कीजिए।

4. Describe the biographical accounts of the Buddha on the basis of Lalitavistara.

साहित्यिक साक्ष्यों के आधार पर बुद्ध के जीवन-वृत्तांत का वर्णन कीजिए।

5. Write an essay on *Bodhisattva Ideal*.

बोधिसत्व आदर्श पर एक निबंध लिखिए।

6. What do understand by *Śūnyavāda*? Explain

शून्यवाद से आप क्या समझते हैं? व्याख्या कीजिए।

This question paper contains two pages.

Your Roll No.

Serial No. of Question Paper:

Unique Paper Code : 62024411

Name of the paper : **Introduction to Tibetan and Chinese Buddhism**

Name of the Course : **B.A. (CBCS Prog.) Buddhist Studies**

Semester : IV [Students admitted before year 2019]

Time: 2 Hrs.

Full Marks: 75

समय: 2 घंटे

पूर्णांक : 75

Instructions for candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश):

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Answer may be written either in *English* or in *Hindi*; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **four** questions. All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Give a detail account of Tibetan Script and its writing system.
तिब्बती लिपि एवं लेखन प्रणाली का विस्तृत विवरण दीजिए।
2. Write a short essay on the *prefix* and *suffix* of Tibetan language with few examples in Tibetan.
कुछ उदाहरणों सहित तिब्बती भाषा के *उपसर्ग* एवं *प्रत्यय* पर एक लघु निबंध लिखिए।
3. Who was the first religious king who introduced Buddhism in Tibet? Discuss.
तिब्बत में बौद्ध धर्म का सूत्रपात करनेवाले प्रथम धर्म-राज कौन थे? विवेचन कीजिए।
4. What was the Principal technique used during Tang/Sung period for the spread of Buddhism in China? Discuss the structure of any one of its procedural orders.
चीन में तांग/शुंग काल में बौद्ध धर्म के प्रचार- प्रसार की प्रमुख शैली क्या थी? उसके प्रक्रियात्मक क्रम की किसी एक संरचना का विवेचन कीजिए।
5. Describe the silk land-route that facilitated the introduction of Buddhism in China.
चीन में बौद्ध धर्म के प्रवेश को सुगम्य बनानेवाले रेशम भू-मार्ग का वर्णन कीजिए।

6. Write a short note on Buddhist societies of China or Padmasambhava.

चीन के बौद्ध समितियों अथवा पद्मसम्भव पर एक लघु टिप्पणी लिखिए।

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 62134402

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : B.A (Prog.): Sanskrit-CBCS-DSC

Semester : IV

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. प्रत्याहारसूत्रों का विवेचन कीजिए।

Describe the Pratyaharasutras.

2. संज्ञा प्रकरण का वर्णन कीजिए।

Describe various संज्ञा प्रकरण.

3. पठित सूत्रों के आधार पर विसर्ग सन्धि पर एक निबन्ध लिखिए ।
Write an essay on विसर्ग सन्धि based on studied sutras.
4. अच् सन्धि पर एक निबन्ध लिखिए ।
Write an essay on अच् सन्धि.
5. तृतीया विभक्ति के विशेष प्रयोग पर निबन्ध लिखिए ।
Write essay on special uses of तृतीया विभक्ति.
6. विभक्त्यर्थ प्रकरण पर निबन्ध लिखिए ।
Write essay on विभक्त्यर्थ प्रकरण.

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.:

Unique Paper Code : 62137903

Name of the Paper : Literary Criticism

Name of the Course : B.A. (P) Discipline Specific Elective (DSE-3)

Semester : VI

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर 2 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in **2 hours** on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on specific portal.
4. As this is "Open-Book" examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. मम्मट के काव्यशास्त्र के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the contribution of Mammat in the field of Poetics.

2. काव्यप्रकाश के आधार पर काव्य-प्रयोजन की समीक्षा कीजिए।

Discuss the kavyapryojana according to Kavyaparakasha.

3. प्रतिभा काव्य का मुख्य हेतु है, स्पष्ट कीजिए।

Pratibha is the principle cause of poetry, explain it.

4. काव्योत्पत्ति के प्रमुख कारकों पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the principal cause of origin of poetry.
5. मम्मट के अनुसार काव्य-लक्षण का विवेचन कीजिए।
Discuss the definition of poetry according to Mammata.
6. मम्मट कृत काव्यभेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
Explain the types of poetry of Mammata with the examples.